खास-खबरें

विंडीज के बल्लेबाज बोनर को सिर पर लगी गेंद, पहले टेस्ट से हुए बाहर

सेंट लुसिया। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज नक्रूमाह बोनर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्जे की गेंद उनके हेलमेट से टकराई थी। इसके कारण अब वह पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। नॉर्जे की गेंद बोनर के हेलमेट पर लगी थी लेकिन इसके बाद भी उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी थी। हालांकि, वह 10 रन पर स्कोर पर कैगिसो रबाडा का शिकार बने थे। 32 वर्षीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान फील्डिंग के लिए नहीं उतरे और उनकी जगह पहले दिन कीरन पोवेल स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतरे। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने ट्वीट कर कहा, बोनर के हेलमेट पर पहली पारी में बल्लेबाजी के दौरान गेंद लगी थी जिससे उनके सिर पर चोट आई है। उनकी जगह फील्डिंग के लिए पोवेल उतरे। विंडीज की टीम पहली पारी में 97 रन पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में बोनर का इस तरह बाहर होना मेजबान टीम के लिए झटका साबित हो सकता है।

वार्नर और स्टोयनिस द हंड्रेड से हटे

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और मार्कस स्टोयनिस द हंड्रेड टूर्नामेंट से हट गए हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा आयोजित द हंड्रेड का आयोजन इस साल 21 जुलाई से 21 अगस्त तक होगा जिसमें दुनिया भर के कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है। वार्नर और स्टोयनिस ने साउदर्न ब्रैव के साथ क्रमश: 100000 और 80000 पौंड का करार किया था। ईसीबी ने क्रिकइंफो से कहा, वार्नर और स्टोयनिस जैसे स्टार खिलाड़ियों का इस टूर्नामेंट में ना खेलना दुखद है लेकिन कोरोना के कारण विदेशी खिलाड़ियों को यहां आकर खेलने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा, साउदर्न ब्रैव को विदेशी खिलाड़ियों का रिप्लेसमेंट मिलेगा और हम इस समर में द हंड्रेड के लिए तैयार हैं। वार्नर और स्टोयनिस वेस्टइंडीज और बांग्लादेश दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की 23 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का हिस्सा हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये दोनों खिलाड़ी पैट कमिंस, स्टीवन स्मिथ और ग्लैन मैक्सवेल के साथ अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए इन दौरों पर नहीं जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही छह और खिलाड़ियों को प्रारंभिक टीम में शामिल किया है। वार्नर और स्टोयनिस के अलावा न्यूजीलैंड की महिला खिलाड़ी सोफी डिफाइन ने भी खुद को अनुपलब्ध बताया है। सोफी को बर्मिंघम फोएनिक्स ने खरीदा था और उनकी जगह फ्रेंचाइजी ने विश्व की नंबर एक टी20 बल्लेबाज भारत की शैफाली वर्मा को शामिल किया है।

कोचिंग के अनुभव पर द्रविड़ बोले-

हर खिलाड़ी को मौका देने की रहती थी कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के निदेशक राहुल द्रविड़ ने कहा कि जब वह भारत की अंडर—19 और 'ए' स्तर की टीमों के कोच थे तो उन्होंने सुनिश्चित किया था कि दौरे पर गये प्रत्येक खिलाड़ी को मैच खेलने का मौका मिले जबकि उनके जमाने में ऐसा नहीं होता था।

भारत की युवा प्रतिभाओं को तराशने का श्रेय द्रविड़ को जाता है। वह अब अगले महीने श्रीलंका के दौरे पर जाने वाली भारत की सीमित ओवरों की टीम के कोच होंगे। इस टीम की अगुवाई शिखर धवन करेंगे। द्रविड़ अब भारत ए और अंडर — 19 टीमों के साथ नहीं जाते हैं लेकिन इसकी शुरुआत उन्होंने ही की थी कि दौरे पर जाने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को मैच खेलने का मौका जरूर मिले। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, मैं उन्हें पहले ही बता देता था कि यदि आप मेरे साथ 'ए' टीम के दौरे पर आये हो तो फिर आप यहां से मैच खेले बिना नहीं जाओगे। जब मैं जूनियर स्तर पर खेलता था तो मेरे अपने अनुभव थे। 'ए' टीम के दौरे पर जाना और मैच खेलने का मौका न मिलना बहुत बुरा होता था। उन्होंने कहा, आप अच्छा प्रदर्शन करते हो। आप 700—800 रन बनाते हो। आप टीम के साथ जाते हो और वहां आपको अपनी योग्यता दिखाने का मौका नहीं मिलता है। इसके बाद आपको चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने के लिये अगले सत्र में फिर से वे 800 रन बनाने होते हैं।

द्रविड़ ने कहा, ऐसा करना आसान नहीं होता है, इसलिए इसकी कोई गारंटी नहीं कि आपको फिर से मौका मिलेगा। इसलिए, आपको शुरू में खिलाड़ियों को कहना होता है कि यह सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी हैं और हम इनके साथ खेलेंगे। भले ही यह सर्वश्रेष्ठ एकादश न हो। अंडर—19 स्तर पर हम मैचों के बीच पांच—छह बदलाव कर सकते हैं। द्रविड़ ने कहा कि भारतीय क्रिकेटरों की अब दुनिया में सबसे फिट माना जाता है लेकिन एक जमाना था जबकि उन्हें फिटनेस का जरूरी ज्ञान नहीं था तथा वे अधिक चुस्त आस्ट्रेलियाई और दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों से ईर्ष्या करते थे। अब जबकि द्रविड़ राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में प्रमुख हैं तब वह अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम घोषित, धवन होंगे कप्तान और भुवनेश्वर बने उपकप्तान

मुंबई (एजेंसी)। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आगामी श्रीलंका दौरे में भारत की सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी संभालेंगे जबकि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार उपकप्तान होंगे। भारत की टेस्ट टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इस समय इंग्लैंड में है इसलिए नए खिलाड़ियों को आजमाने का यह अच्छा मौका था। भारत को श्रीलंका के सीमित ओवरों के इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी 20 मैच खेलने हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख एवं पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ मुख्य कोच के तौर पर भारत ए टीम के साथ जुलाई में श्रीलंका दौरे पर जाएंगे। टीम के कोचिंग स्टाफ में भी उनके एनसीए के साथी सदस्य शामिल होंगे।

टीम :शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडीक्कल, ऋतुराज गायकवाड, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडेय, हार्दिक पांड्या, नितीश राणा, इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सेमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, के गौतम, क्रुणाल पांड्या, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, भुवनेश्वर कुमार (उपकप्तान), दीपक चाहर, नवदीप सैनी, चेतन सकारिया नेट गेंदबाज: इशान पोरेल, संदीप वारियर, अर्शदीप सिंह, साई किशोर, सिमरजीत सिंह।

फ्रेंच ओपन : महिला एकल फाइनल में भिड़ेंगी बारबोरा और अनासतासिया

पेरिस(एजेंसी)।

फ्रेंच ओपन का महिला एकल फाइनल विश्व की 31वें नंबर की खिलाड़ी रूस की अनासतासिया पावलिउचेंकोवा और चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजकिकोवा के बीच शनिवार को रोलां गैरों के सेंटर कोर्ट पर खेला जाएगा। अनासतासिया ने जहां सेमीफाइनल में स्लोवेनिया की तमारा जिदांसेक को हराया वहीं बारबोरा ने मारिया साकारी को 7-5, 4-6, 9-7 से हराते हुए पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल मे जगह बनाई।

बारबोरा ने फाइनल में जगह बनाने के लिए तीन घंटे 18 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले की बाधा को पार किया जबकि अनासतासिया विश्व रैंकिंग की 85वें नंबर की खिलाड़ी तमारा को एक घंटे 34 मिनट में हीं लगातार सेटों में 7–5, 6–3 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। 29 वर्षीय अनासतासिया पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने 50 से ज्यादा बड़े टूर्नामेंट खेले हैं। उन्होंने 15 साल की उम्र में 2007 विंबलडन में वाइल्डकार्ड के तौर पर प्रवेश कर ग्रैंड स्लैम में डेब्यू किया था। यह 52वीं बार था जब अनासतासिया ने किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। अनासतासिया इसके साथ ही रूस की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने 2015 के बाद ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। उनसे पहले रूस की मारिया शारापोवा ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी जहां उन्हें अमेरिका की सेरेना विलियम्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। सेमीफाइनल मुकाबले में जीत के साथ ही अनासतासिया अपने करियर में 21वीं बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं। उन्होंने इससे पहले 2019 में मॉस्को में फाइनल में जगह बनाई थी। अगर अनासतासिया फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने में सफल रहती हैं तो यह उनका 2018 में स्ट्रासबोर्ग टूर्नामेंट जीतने के बाद पहला खिताब होगा। उन्होंने अपने करियर में अबतक 12 खिताब जीते हैं। 29 वर्षीय अनासतासिया पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने 50 से ज्यादा बड़े टूर्नामेंट खेले हैं। उन्होंने 15 साल की उम्र में 2007 विंबलडन में वाइल्डकार्ड के तौर पर प्रवेश कर ग्रैंड स्लैम में डेब्यू किया था।

भारत के भाला फेंक एथलीट चोपड़ा ने लिस्बन में स्वर्ण जीता

लिस्बन(एजेंसी)। भारत के अग्रणी भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को यहां जारी मीटिंग सिडडे डी लिस्बोआ टूर्नामेंट में 83.18 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पांच पुर्तगाली प्रतिभागियों के बीच 23 वर्षीय चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 83.18 मीटर था, जो स्वर्ण पदक वाला साबित हुआ। चोपड़ा ने छठे और अंतिम प्रयास में यह दूरी नापी। पुर्तगाल का कोई भी प्रतियोगी 80 मीटर के निशान को पार नहीं कर सका।

पुर्तगाल के लिएंड्रो रामोस 72.46 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे और पुर्तगाल के ही फ्रांसिस्को फर्नांडीस 57.25 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा का शुरूआती थ्रो 80.71 मीटर था जबकि उनका दूसरा और तीसरा प्रयास नो थ्रो था। वह चौथे में अच्छी लय हासिल करने में नाकाम रहे और केवल 78.50 मीटर का ही रिकॉर्ड कर सके। उनका पांचवां प्रयास भी नो थ्रो था जबकि आखिरी और छठा थ्रो 83.18 मीटर था। चोपड़ा ने मार्च में पटियाला में सीजन का सर्वश्रेष्ठ 88.07 मीटर की दूरी नापी थी। लिस्बन के माध्यम से चोपड़ा 18 महीनों के बाद किसी इवेंट में उतरे हैं।

साराह और डेविस को इंग्लैंड टेस्ट टीम से किया गया रिलीज

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड महिला टीम ने साराह ग्लेन और फ्रेया डेविस को भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले 17 सदस्यीय टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया है। ऑलराउंडर साराह और तेज गेंदबाज डेविस अब रेचल हिहोए फ्लिंट ट्रॉफी के चौथे राउंड में क्रमश: सेंट्रल स्पार्क्स- और साउथ ईस्ट स्टार्स के लिए खेल सकती हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, साराह और डेविस को इंग्लैंड महिला टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है और दोनों खिलाफ अब वनडे सीरीज की तैयारियों को देखते हुए अपनी क्षेत्रीय टीम के लिए खेलेंगी।

वैक्सीनेशन कराने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ी 14 जून से आउटडोर अभ्यास कर सकेंगे

भोपाल(खेप्र)।

कोविड-19 संक्रमण के कारण विगत 2 माह से बंद खेल गतिविधियों को पुनः प्रारंभ करने की खेल विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए संचालक खेल और युवा कल्याण पवन जैन द्वारा 14 जून, 2021 से भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, एवं जबलपुर स्थित खेल अकादमियों में बोर्डिंग एवं डे बोर्डिंग खिलाड़ियों के लिए आउटडोर एक्सरसाइज की अनुमति के लिए जरूरी दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जारी दिशा निर्देशों के मुताबिक 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने वैक्सीनेशन करा लिया है वह कोविड19 प्रोटोकॉल संबंधी गाइड लाइन का कड़ाई से पालन करते हुए अभ्यास कर सकेंगे। अभ्यास की अनुमति केवल आउटडोर फिटनेस तक ही सीमित रहेगी। खेल संचालक पवन जैन ने बताया कि कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार कमी को ध्यान में रखते हुए खेल गतिविधियों की प्रारंभिक शुरुआत 14 जून, 2021 से की जा रही है। प्रथम चरण में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेनिस, फेंसिंग, शूटिंग, व्हालीबॉल, स्क्वाश, बिलियर्ड-स्नूकर एवं टेबल टेनिस खेल की सशर्त अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा मॉर्निंग एवं इवनिंग वॉकर तथा गोल्फ खेल को भी शामिल किया गया है। इस सिलसिले में अधिकारियों और खेल प्रशिक्षकों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

खेल परिसर में पे-एण्ड-प्ले योजनान्तर्गत कोविड–19 के खतरे को दृष्टिगत रखते हुए खेल प्रारंभ करने की अनुमति निम्न शर्तों पर प्रदान की जावेगी। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ियों को स्टेडियम परिसर में अभ्यास हेतु वेक्सीन का कम से कम एक डोज लगा होना अनिवार्य।

व्यापार

खास खबरें

न्यूयॉर्क से नई दिल्ली तक सोने के दाम में भारी गिरावट

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क से नई दिल्ली तक सोने के दाम में भारी गिरावट, जानिए कितने हुए दामआज सोने और चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। इंटरनेशनल मार्केट में भी सोना और चांदी सस्ता हुआ है। अगर आप भी सोना खरीदने कार मन बना रहे हैं तो आपके लिए यही सही मौका है। सोने के दाम में आज बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। यह गिरावट न्यूयॉर्क से लेकर नई दिल्ली तक है। यानी दुनिया के प्रमुख बाजारों में सोना सस्ती दरों तक कारोबार कर रहा है। अगर बात भारत की करें तो सोने की कीमत में करीब 400 रुपए की गिरावट देखने को मिल रही है। जबकि चांदी की कीमत में 700 रुपए से ज्यादा गिरावट है। जानकारों की मानें तो डॉलर इंडेक्स में मजबूती के संकेत मिल रहे हैं और यूएस के इंफ्लेशन के आंकड़े आने वाले हैं। जिसका असर देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि गुरुवार को सोने की कीमत कितनी कम हो गई है। न्यूयॉर्क के वायदा बाजार कॉमेक्स पर सोने की कीमत में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। करीब 18 डॉलर प्रति औंस की गिरावट के साथ 1877.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। जबकि गोल्ड स्पॉट 4.13 डॉलर की गिरावट देखने को मिल रही है।

दावाः लॉकडाउन खुलने से वापस आ सकते हैं 1.7 करोड़ रोजगार

नई दिल्ली।

कोविड–19 संक्रमण के मामले घटने के साथ देशभर में लॉकडाउन खत्म करने की भी शुरुआत हो चुकी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) ने दावा किया है कि चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन हटाए जाने से असंगठित क्षेत्र में करीब 1.7 करोड़ रोजगार वापस आ सकते हैं। यह आंकड़ा बीती मई में लॉकडाउन से संगठित व गैर संगठित दोनों क्षेत्र में बेरोजगार हुए 2.5 करोड़ लोगों का करीब 66 फीसदी होगा।

सीएमआईई ने बताया कि लॉकडाउन खत्म होने से असंगठित क्षेत्र के रोजगार में तेजी से सुधार आएगा। जनवरी 2021 के बाद से इस क्षेत्र में गैर कृषि रोजगार की संख्या में 3.68 करोड़ की कमी आई है। इनमें से 2.31 करोड़ दिहाड़ी मजदूर, 85 लाख वेतनभोगी और शेष छोटे उद्यमी हैं।

सिर्फ मई में ही 1.7 करोड़ दिहाड़ी मजदूर, हॉकर व अन्य छोटे उद्यमियों ने रोजगार गंवाया, जिसका सीधा कारण लॉकडाउन था। पूरी तरह अनलॉक होने के बाद इनके दोबारा काम पर लौटने की पूरी उम्मीद है। अगर रोजगार की वृद्धि दर 2019–20 के स्तर पर पहुंच जाती है तो भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार आएगा।

जनवरी के बाद से लगातार घटा रोजगार

इस साल जनवरी में आर्थिक गतिविधियों में आई तेजी से रोजगार के मोर्चे पर भी बढ़त दिखी। इस दौरान कुल रोजगार की संख्या 40.07 करोड़ पहुंच गई, लेकिन इसके बाद से ही गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया। केवल असंगठित क्षेत्र में ही फरवरी में 25 लाख, मार्च में 1 लाख, अप्रैल में 74 लाख और मई में 1.53 करोड़ रोजगार कम हुए। इस तरह चार महीनों में रोजगार की संख्या में 2.53 करोड़ की गिरावट आई। इस वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में ही कुल रोजगार के मुकाबले 6.3 फीसदी गिरावट आ चुकी है।

जून में भी गिरावट का सिलसिला जारी

रोजगार के मोर्चे पर जून में भी फिलहाल राहत नहीं मिली है। 6 जून को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी दर बढ़कर 13 फीसदी पहुंच गई, जो मई में 11.9 फीसदी थी। मई में रोजगार वृद्धि दर अप्रैल के 36.8 फीसदी से गिरकर 35.3 फीसदी पर आ गई थी। इस दौरान डेढ़ करोड़ रोजगार खत्म हो गए। जून में भी रोजगार वृद्धि दर घटी, जो 6 जून को 33.9 फीसदी पर आ गई। आर्थिक मामलात विभाग (डीइए) ने बृहस्पतिवार को कहा कि सितंबर तक 75 फीसदी जनसंख्या का टीकाकरण कर लिया जाए, तो आर्थिक सुधारों में तेजी लाई जा सकती है। बजट में जारी घोषणाओं को सही तरीके से लागू कर निवेश और खपत बढ़ा सकते हैं, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाएगी।

फिर बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में महंगाई रुकने का नाम नहीं ले रही है। देश के चारों महानगरों में पेट्रोल के दाम में फिर से इजाफा देखने को मिला है। जहां पेट्रोल की कीमत में 25 पैसे से 29 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा देखने को मिला है। वहीं दूसरी ओर डीजल की कीमत में 27 पैसे से 30 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जबकि देश के बाकी शहरों की बात करें तो नोएडा, गाजियाबाद, गुजरात हैदराबाद, लखनऊ जैसे बाकी शहरों में भी पेट्रोल ओर डीजल की कीमत में इजाफा हुआ है। इसके अलावा इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। आइए आपको भी बताते हैं कि आज पेट्रोल और डीजल के दाम कितने चुकाने होंगे।

आईओसीएल से मिली जानकारी के अनुसार देश के चारों महानगरों में पेट्रोल की कीमत में 25 पैसे प्रति लीटर से 29 पैसे प्रति लीटरव तक का इजाफा देखने को मिला है। देश की राजधानी दिल्ली पेट्रोल 29 पैसे महंगा हुआ है, जिसके बाद यहां पर दाम 95.85 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। कोलकाता और मुंबई में 28 पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है और दाम 95.80 रुपए और 102.04 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। चेन्नई में 25 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यहां पर पेट्रोल की कीमत 97.19 रुपए प्रति लीटर हो गई है। महानगरों में डीजल की कीमत में बढ़ोतरी : वहीं दूसरी ओर डीजल की कीमत में भी अच्छा खासा इजाफा देखने को मिला है। आईओसीएल से मिली जानकारी के अनुसार देश के चारों महानगरों में 27 पैसे प्रति लीटर से लेकर 30 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

स्पेशल खबर कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण अप्रैल से आवासों की बिक्री में भारी कमी दर्ज की गई...

आने वाले समय में बढ़ सकते हैं मकानों के दाम, इस्पात, सीमेंट के दाम बढ़ने से बढ़ी लागत

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट डेवलपरों की शीर्ष संस्था क्रेडाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस्पात और सीमेंट के दामों में तेज वृद्धि के कारण निर्माण लागत में 10–20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस स्थिति के चलते मध्यम से लंबी अवधि में आवास की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है।

कीमतों में बढ़ोतरी की संभावनाः क्रेडाई के चेयरमेन सतीश मगर ने वर्चुअल माध्यम से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोविड–19 की दूसरी लहर के कारण अप्रैल से आवासों की बिक्री में भारी कमी दर्ज की गई है। उन्होंने हालांकि, पिछली तिमाही की तुलना में अप्रैल–जून के दौरान अपेक्षित आवास बिक्री में गिरावट का कोई आंकड़ा नहीं दिया। क्रेडाई के अध्यक्ष हर्ष वर्धन पटोड़िया ने कहा, पिछले एक साल के दौरान सीमेंट और इस्पात की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। इसलिये मध्यम से लंबी अवधि में आवास कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। उन्होंने कहा कि

डेवलपर्स दाम बढ़ाने पर मजबूर हैं क्योंकि वह निर्माण लागत को वृद्धि को स्वयं खपाने की स्थिति में नहीं हैं। एसोसियेसन इस बारे में कई बार सरकार को लिख चुकी है कि सीमेंट और इस्पात के दाम पर नियंत्रण किया जाये। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग में भी इसकी शिकायत की गई है। क्रेडाई के अनुसार 90 प्रतिशत रियल एस्टेट डेवलपरों का मानना है कि कोविड–19 की दूसरी लहर उनके व्यवसाय के लिए पहली लहर की तुलना में अधिक 'विनाशकारी' रही है।

क्रेडाई द्वारा किये गए एक सर्वेक्षण के अनुसार अप्रैल के बाद से नई आवासीय बिक्री और संग्रह में भारी गिरावट आई है। अधिकतर डेवलपरों को कई राज्यों में लगे लॉकडाउन के कारण परियोजनाओं में देरी का डर है। डेवलपरों ने श्रमिकों की कमी, वित्तीय बाधाएं, अनुमोदन में देरी, निर्माण लागत में वृद्धि और कमजोर ग्राहक मांग जैसे चुनौतियों का खतरा जताया है।

आरबीआई ने किया एटीएम इंटरचेंज फीस में इजाफा, अब चुकाने होंगे 15 के बजाए 17 रुपए

नई दिल्ली।

बैंकों के एटीएम से तय मुफ्त सीमा से अधिक बार पैसा निकालने पर अगले साल से ज्यादा शुल्क देना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को बैंकों को अगले साल से एटीएम के जरिये निर्धारित मुफ्त मासिक सीमा से अधिक बार नकदी निकालने या अन्य लेन-देन करने को लेकर शुल्क बढ़ाने की अनुमति दे दी है। इसके तहत बैंक ग्राहक एक जनवरी, 2021 से अगर मुफ्त निकासी या अन्य सुविधाओं की स्वीकार्य सीमा से ज्यादा बार लेन-देन करते हैं, तो उन्हें प्रति लेन-देन 21 रुपये देने होंगे जो अभी 20 रुपये है। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा, बैंकों को दूसरे बैंकों के एटीएम में कार्ड के उपयोग के एवज में लगने वाले शुल्क (इंटरचेंज फी) की क्षतिपूर्ति और अन्य लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए उन्हें प्रति लेन-देन ग्राहक शुल्क बढ़ाकर 21 रुपये करने की अनुमति दी गयी है। बढ़ा हुआ शुल्क एक जनवरी, 2022 से प्रभाव में आएगा। हालांकि ग्राहक पहले की तरह अपने बैंक के एटीएम से हर महीने पांच मुफ्त लेन-देन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेन-देन) के लिये पात्र होंगे। वे महानगर में अन्य बैंकों के एटीएम से तीन बार और छोटे शहरों में पांच बार मुफ्त लेन-देन कर सकेंगे। परिपत्र के अनुसार, साथ ही एक अगस्त, 2021 से प्रति वित्तीय लेन-देन 'इंटरचेंज शुल्क' 15 रुपये से बढ़ाकर 17 रुपये तथा गैर-वित्तीय लेन-देन के मामले में 5 रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये करने की अनुमति दी गयी है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल–462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017